भारत का कृषि निर्यात

प्रिलिम्स के लिये:

APEDA, चावल और चीनी, कृषि निर्यात नीति, TIES।

मेन्स के लिये:

भारत का कृषि निर्यात और आयात।

चर्चा में क्यों?

पिछले दो वर्षों में भारत में [कृषि क्षेत्र](#) **में उत्तरोत्तर विकास हुआ है।**

- 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत का कृषि क्षेत्र निर्यात एक नई ऊँचाई पर पहुँच सकता है। परंतु साथ ही **आयात में भी उतनी ही वृद्धि हुई है जिससे कुल कृषि व्यापार अधिशेष में गिरावट आई है।**

INDIA'S AGRICULTURAL TRADE IN MILLION US DOLLARS

YEAR	EXPORTS	IMPORTS	TRADE SURPLUS
2012-13	41726.33	18978.33	22748.00
2013-14	43251.66	15528.94	27722.72
2014-15	39080.43	21151.77	17928.66
2015-16	32808.64	22578.60	10230.04
2016-17	33696.83	25643.40	8053.43
2017-18	38897.21	24890.90	14006.31
2018-19	39203.53	20920.34	18283.19
2019-20	35600.47	21859.99	13740.48
2020-21	41895.68	21652.05	20243.63
2021-22	50240.21	32422.30	17817.91
Apr-Dec 21	36155.42	24071.55	12083.87
Apr-Dec 22	38997.92	27770.64	11227.28

//

कृषि-आँकड़े:

- **अप्रैल-दिसंबर 2022 में कृषि निर्यात मूल्य** अप्रैल-दिसंबर 2021 के दौरान **36.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 7.9% अधिक** (39 बिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा।
- हालाँकि अप्रैल-दिसंबर 2021 के 24.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में **अप्रैल-दिसंबर 2022** में आयात 15.4% (27.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर) बढ़ा है।
- नतीजतन, **कृषि व्यापार अधिशेष में और कमी आई है।**
- **चावल और चीनी भारत के कृषि-निर्यात** विकास में दो बड़े योगदानकर्त्ता हैं।
    - **चावल:** भारत ने वर्ष 2021-2022 में 9.66 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का 21.21 मिलियन टन चावल का रिकॉर्ड निर्यात किया।
        - इसमें 172.6 लाख टन गैर-बासमती और 39.5 लाख टन बासमती चावल शामिल है।
    - **चीनी:** पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वर्ष 2021-22 में चीनी निर्यात 4.60 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुँच गया।
        - इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल-दिसंबर 2021 के 2.78 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अप्रैल-दिसंबर 2022 में 3.99 बिलियन अमेरिकी डॉलर के रूप में 43.6% की वृद्धि देखी गई है।
- हालाँकि मसाले, गेहूँ, भैंस का मांस आदि जैसी कुछ वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई है।

आयात के बारे में:

- **वनस्पति तेल:**
    - **सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया** के अनुसार, **भारत का कुल खाद्य तेल आयात** वर्ष 2020-21 के **13.13 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2021-22 (नवंबर-अक्तूबर) में 14.03 मिलियन टन** हो गया तथा **नवंबर-दिसंबर 2021 में 2.36 मिलियन टन से 30.9% बढ़कर नवंबर-दिसंबर 2022 में 3.08 मिलियन टन** हो गया।
- **कपास:**
    - भारत कपास के **शुद्ध निर्यातक से शुद्ध आयातक बन गया** है।
    - अप्रैल-दिसंबर 2022 में निर्यात घटकर 51.204 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया (अप्रैल-दिसंबर 2021 के 1.97 बिलियन अमेरिकी डॉलर से) तथा आयात भी इसी अवधि में 41.459 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 1.32 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- **काजू:**
    - अप्रैल-दिसंबर 2022 के दौरान **आयात 64.6 प्रतिशत बढ़कर 1.64 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया, जो अप्रैल-दिसंबर 2021 में 996.49 मिलियन अमेरिकी डॉलर था, जबकि इसी अवधि के लिये काजू उत्पादों का निर्यात 344.61 मिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर 259.71 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।

संबंधित पहलें:

- कृषि निर्यात नीति
- निर्यात हेतु व्यापार अवसंरचना योजना
- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
- **बाज़ार पहुँच पहल**

भारत का कृषि प्रदर्शन तथा अंतर्राष्ट्रीय वस्तुओं की कीमतों में संबंध:

- संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO) का खाद्य मूल्य सूचकांक - जिसका आधार मूल्य वर्ष वर्ष 2014-16 की अवधि के लिये 100 अंक है, वर्ष 2012-13 में औसतन 122.5 अंक और वर्ष 2013-14 में 119.1 अंक था।
    - ये ऐसे वर्ष थे जब **भारत का कृषि निर्यात 42-43 बिलियन अमेरिकी डॉलर** था।
- वित्त वर्ष 2015-16 और वर्ष 2016-17 में सेंसेक्स में 90-95 अंकों की गिरावट के कारण निर्यात 33-34 अरब डॉलर तक कम हो गया।

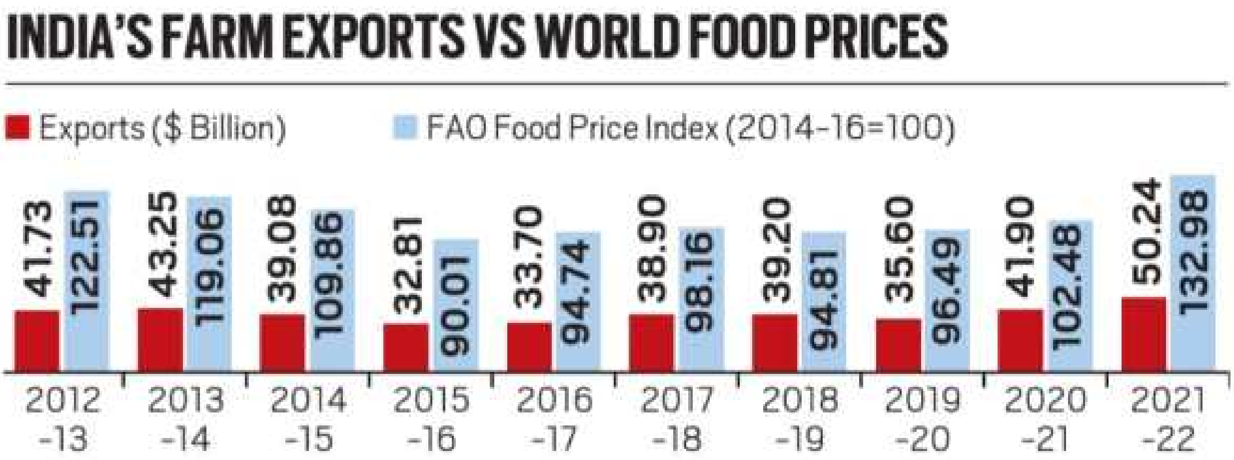

- यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के ठीक पश्चात् मार्च 2022 में FAO सूचकांक 159.7 अंक पर पहुँच गया। तब से यह **हर माह कम ही हो रहा है, जनवरी 2023 के लिये 131.2 अंकों की नवीनतम रीडिंग** सितंबर 2021 के 129.2 अंकों के बाद सबसे कम है।
    - निर्यात में सामान्य मंदी से अधिक, आयात में वृद्धि चिंता का विषय होना चाहिये।
- पूर्व सहसंबंध के अनुसार, **जब सूचकांक उच्च था, तब निर्यात अधिक था और जब यह कम था, तो निर्यात भी कम था। वर्तमान में सूचकांक गिर रहा है, जिससे भारत के कृषि निर्यात में मंदी एवं आयात में वृद्धि हो सकती है।**
- इस स्थिति में नीति निर्माताओं का ध्यान भी **उपभोक्ता समर्थक (निर्यात पर प्रतिबंध लगाने/प्रतिबंधित करने की सीमा तक) से उत्पादक समर्थक** (बेलगाम आयात के खिलाफ टैरिफ सुरक्षा प्रदान करना) **की तरफ स्थानांतरित करना पड़ सकता है।**

आगे की राह

- पहली पीढ़ी के बीटी कपास के बाद नई जेनेटिक मॉडिफिकेशन (GM) प्रौद्योगिकियों को अनुमति नहीं देने के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं और वे निर्यात को प्रभावित भी कर रहे हैं। **खाद्य तेल उद्योग को भी एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है,** जहाँ GM संकर सरसों के रोपण की अनुमति अनिच्छा के साथ प्रदान की गई है और अब यह मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन सा देश पिछले पाँच वर्षों के दौरान विश्व में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक रहा है? (2019)

(a) चीन
(b) भारत
(c) म्याँमार
(d) वियतनाम

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वर्ष 2011 में भारत सरकार द्वारा चावल की गैर-बासमती किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंध हटाए जाने के कारण इस दशक की शुरुआत से भारत दुनिया का शीर्ष चावल निर्यातक रहा है।
- भारत वर्ष 2011-12 में थाईलैंड को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक देश बन गया।

अतः विकल्प (b) सही है।

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. पिछले पाँच वर्षों में आयातित खाद्य तेलों की मात्रा, खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन से अधिक रही है।
2. सरकार विशेष स्थिति के तौर पर सभी आयातित खाद्य तेलों पर किसी प्रकार का सीमा शुल्क नहीं लगाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-farm-exports